10

एताः सुतनु मुखं ते
सख्यः पश्यन्ति हेमकूटगताः।
प्रत्यागतप्रसादं
चन्द्रमिवोपप्रवानमुक्तम्॥ १९॥

5 भित्र.। हला पेख्ख।

र्बत. | राजानं सस्पृहं पश्यन्ती | समदुख्खो पिखइड्य मं णयणेहिं | चित्र. | साकूतम् | अपि को | र्डित. | सहिअणो |

रमा। सहर्षम्। एसो चित्तलेहादुदीअं उन्वर्सि गेण्हिअ विसाहास-मीवगदो विअ चन्दो उविष्ठिरो राएसी।

१ हला पर्य ।— २ समदुःखः पिबतीब मां नयनैः।— ३ अपि कः।— ४ सखीजनः।— ५ एष चित्रलेखाद्वितीयामुर्विशीं गृहीत्वावि-शाखासमीपगत इव चन्द्र उपस्थिती राजार्षिः।

1. A.N.N2. सुमुखि for सुतनु. 5-8. B. चि० | हला किंण पेख्खास | उ० | समसुहदुख्खो णं विभजणी । चि० | की णु । उर्व० | सहीजणी. K. चि० | हला पेख्ख २ | उर्व० | राजानं सस्पृहं पर्यन्ती | समदुख्खो नि-बईव्व मं णअणेहिं | चि० | साक्तम् | भइ को | उ० | सहि सहीअणों. U. चि० | हला पेख्ख (sic.) समदुख्खा सहीजणो । र० | सहर्षम् । एसो &c. U. om. 11. 6-8. P. वि० | हला गेख्खस्सं [which it translates साख प्रेक्षसे]। उर्व । समसुर-दुख्खा अअं जणी । चि० । की णुकी णु | उर्व । सहिजणी. A. चि० | हळा पेल्खिभदु । उर्व । राजामं

पर्यन्ती | हळा को | चित्र ० । को अ-ण्णो समदुख्खो पिभसहीजणो | रम्भा | सहषेम् &c. N.N2. चि० | हळा पे-ख्तिआदे | उर्व ० | राजानं पश्यन्ती | हला को अण्णो समदुख्खओ विभस्ही-जणी | रम्भा | सहर्षम् &c. K. with G., except that it repeats पेल्ल in 1.5 and has पिन-देख and णअणेहिं in 1. 6, भई in 1. 7, and सिंह सिंही अणी, in 1. 8. 9. A.N.N2. खु after एसी. P.B. ° દુર્દેઅં, K. ° દુર્યિઅં -U. ઝજાસીં. -N.N2. गिहीश, B.P. गण्हिश. G. समीप °, U. °समीपमागदी, P. oसमीवं गदी.-A.U. भभवं and N.N2. विभागवं before चन्दी.-